समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

बी.ए. तृतीय वर्ष संस्कृत

भारतीय रंगशाला SEC-3

(SKT-AEEC-305) **कुल अंक 30**

निर्देश - इस पत्र में दो समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार- चार प्रश्न हैं। दोनों समनुदेशन (Assignment) से तीन-तीन प्रश्न अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 15** **(5X3)**

प्र.1 नाट्योत्पति से सम्बन्धित विभिन्न मतों का वर्णन कीजिए।

प्र.2 वैदिक काल में रंगमंच के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

प्र.3 रंगमंच की विभिन्न कालों में स्थिति का वर्णन कीजिए।

प्र.4 रस कितने प्रकार के हैं? विस्तृत निरूपण कीजिए।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 15** **(5X3)**

प्र.1 आकार एवं परिमाण की दृष्टि से नाट्यगृह कितने प्रकार के होते हैं? उल्लेख कीजिए।

प्र.2 चतुरस्त्र नाट्यगृह की निर्माण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

प्र.3 अभिनय शब्द की व्युत्पति लिखकर उसके प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

प्र.4 नाटक का लक्षण देते हुए उसके भेदों की विवेचना कीजिए

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातक संस्कृत ..... वर्ष

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....